हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 28 फरवरी 2025

तापमान
अधिकतम 23 .0 डिग्री
न्यूनतम 17 .0 डिग्री

11 फाल्गुन अमावस्या पर लगाई श्रद्धा की डुबकी

11 मातृ-पितृ पूजन दिवस श्रद्धा से मनाया

खबर संक्षेप

महिला से मारपीट करने पर मां और बेटा नामजद

जींद। गांव खांडा में गली में रैंप उतारने का विरोध करने पर मां व बेटा ने हमला कर महिला को घायल कर दिया। अलेवा थाना पुलिस ने घायल की शिकायत पर दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव खांडा निवासी कैलाशो ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि पडोसी नंदराम अपने मकान के आगे रैंप उतार रहा है।

बिनैण खाप की बैठक 9 को ऐतिहासिक चबूतरे पर होगी

नरवाना। सर्वजातीय बिनैण खाप सामाजिक सरोकार के शुद्धिकरण और मर्यादा पूर्वक निर्वहन का निरंतर बीड़ा उठाए हैं इसी दिशा में एक और कदम बढ़ाते सर्वजातीय बिनैण खाप सोनीपत जिला के रौलद तपा को भी अपने अधिकार क्षेत्र में शामिल किया है। खाप का धन्यवाद करने के लिए 9 मार्च को ऐतिहासिक चबूतरे पर पहुंचेगी

युवक पर हमला कर घायल करने पर केस

जींद। गांव अहिरका सीएससी सेंटर पर फार्म भरवा कर घर लौट रहे युवक पर कुछ युवकों ने हमला कर घायल कर दिया। सदर थाना पुलिस ने घायल की शिकायत पर एक युवक को नामजद कर कुछ अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव कैरखेड़ी निवासी राम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह गांव अहिरका सीएससी सेंटर पर फार्म भरवा कर बाइक से घर लौट रहा था।

कैथल : धोखाधड़ी के मामले में आरोपी काबू

कैथल। इंस्टाग्राम पर बात करके आस्ट्रेलिया भेजने के नाम पर लाखों रुपये धोखाधड़ी के मामले की जांच थाना साइबर क्राइम के एसआई रविंद्र सिंह की टीम द्वारा करते आरोपी गांव लोहारा जिला कुरुक्षेत्र निवासी सुरेंद्र सिंह को काबु कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गांव बदसूई निवासी रवि कि शिकायत पर केस दर्ज किया था।

पांच एकड़ फसल नष्ट करने पर छह नामजद

जींद। गांव राजपूरा भैण में जमीन विवाद के चलते पांच एकड़ गेहूं फसल को स्प्रे कर नष्ट करने पर सदर थाना पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव राजपूरा भैण निवासी परविंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी गांव के ही सुरेश परिवार से विवाद चला आ रहा है।

अलमारी तोड़कर लाखों के जेवर व नकदी चुराई

कैथल। शहर के आजाद नगर में चोरों ने घर से अलमारी तोड़कर लाखों रुपये के आभूषण व नकदी चोरी कर ली। मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। चंदाना गेट के आजाद नगर कैथल निवासी अशोक कुमार ने शहर थाना में दी गई शिकायत में 24 की शाम करीब साढ़े छह बजे वह अपने घर में सामान चेक कर रहा था।

मकान का ताला तोड़कर जेवरात व सामान चोरी

जींद। सफीदो रोड जवाहर नगर में बीती रात चोरों ने मकान का ताला तोड़ कर सोना व चादी के जेवरात व अन्य सामान को चोरी कर लिया। सिविल लाइन थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जवाहर नगर निवासी सावित्री ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह कार्यवश बाहर गई हुई थी।

कैंटर पेड़ से टकराया परिचालक गंभीर

राजौंद। गांव नीमवाला के पास असंध कैथल मार्ग पर सुबह के समय लोहे की स्क्रैप से भरा एक कैंटर सड़क के साथ लगते सफेदे से जा टकराया। इससे कैंटर में सवार परिचाल बुरी तरह जख्मी हो गया जिसे रोहतक पीजीआई में भेजा गया है। कैटर चालक गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया है।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड: 12वीं कक्षा की अंग्रेजी विषय की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न

जींद-कैथल में नहीं बना नकल का कोई केस, आज प्रारंभ होगी दसवीं की परीक्षा

परीक्षा केंद्र के 200 मीटर की परिधि में फोटोस्टेट की दुकानों के संचालन पर प्रतिबंधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की 12वीं कक्षा की अंग्रेजी विषय की परीक्षा गुरूवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। पहले दिन 64 परीक्षा केंद्रों पर 12वीं की परीक्षा में नकल का कोई मामला सामने नहीं आया। परीक्षा को लेकर जिले में 86 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिसमें से जींद ब्लॉक में 39, नरवाना ब्लॉक में 15, उचाना ब्लॉक में 17 और सफीदों ब्लॉक में 15 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। साढ़े 12 बजे परीक्षा शुरू हुई। विद्यार्थियों को आधे घंटा पहले केंद्रों पर पहुंचने के निर्देश दिए गए थे। कड़ी जांच के बाद विद्यार्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया गया। परीक्षा केंद्रों के बाहर शरारती तत्वों पर नजर बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी। वहीं जिलेभर में नौ उडऩदस्ता टीम समय-समय पर केंद्रों का निरीक्षण करती रही। वहीं शुक्रवार को 10वीं कक्षा की गणित विषय की परीक्षा है। जिलेभर से राजकीय और प्राइवेट स्कूलों के दोनों कक्षाओं के लगभग साढ़े 36 हजार विद्यार्थी

जींद। परीक्षा केंद्र में जाने से पहले सिटिंग प्लान देखते छात्र। फोटो :हरिभूमि

जींद। परीक्षा केंद्र पर परीक्षा देने आए परीक्षार्थी। फोटो :हरिभूमि

परीक्षा दे रहे हैं। इसमें से 10वीं कक्षा के 21 हजार से अधिक और 12वीं कक्षा के साढ़े 15 हजार से अधिक विद्यार्थी शामिल हैं। 10वीं की वार्षिक परीक्षाएं 28 फ रवरी से 19 मार्च तक और 12वीं की परीक्षाएं 29 मार्च तक होगी। परीक्षा का समय दोपहर साढ़े 12 बजे से लेकर साढ़े तीन बजे तक रहेगा। वहीं शुक्रवार से दसवीं कक्षा की परीक्षा शुरू होगी। शुक्रवार को दसवीं की गणित विषय की परीक्षा है। वहीं 27 फरवरी को 12वीं कक्षा की अंग्रेजी विषय की परीक्षा के बाद अब चार मार्च को भौतिक विज्ञान, इकोनॉमिक्स की परीक्षा होगी। परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधीश मोहम्मद इमरान रजा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन आदेशों के तहत परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में पांच या इससे अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। परीक्षा अवधि के दौरान किसी भी व्यक्ति को लाठी, गंडासा, भाला, तलवार, कुल्हाड़ी, साइकिल चेन अथवा अन्य हथियार या ज्वलनशील पदार्थ लेकर चलने की अनुमति नही होगी। साथ ही परीक्षा केंद्रों के आसपास किसी भी प्रकार की नकल प्रवृत्ति को रोकने के लिए 200 मीटर की परिधि में फोटोस्टेट की दुकानों का संचालन भी प्रतिबंधित रहेगा।

नकल रहित रही परीक्षा

जिला शिक्षा अधिकारी सुमित्रा देवी ने बताया कि जिलेभर में 12वीं कक्षा की परीक्षा नकल रहित रही है। उडनदस्ता टीम द्वारा समय-समय पर परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया गया था। शुक्रवार से 10वीं कक्षा की परीक्षा शुरू हो रही हैं। विद्यार्थियों को चाहिए कि वह पूरी मेहनत से तैयारी करें और अच्छे अंक लेकर परीक्षा उत्तीर्ण करें।

कैथल। 12वीं की परीक्षा देने के बाद बाहर आती छात्राएं। फोटो :हरिभूमि

कैथलः पारदर्शिता को लेकर सीसीटीवी कैमरे लगाए

कैथल। हरियाणा विद्यालय बोर्ड की परीक्षाएं वीरवार से शुरू हुई। पहले दिन 12वीं कक्षा के अंग्रेजी विषय की परीक्षा का आयोजन किया। पहले दिन 12वीं के विद्यार्थियों ने अंग्रेजी की परीक्षा दी। परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन की ओर से धारा 163 भी लागू की है। जिले में 10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा को लेकर 75 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इस बार बोर्ड की ओर से परीक्षा में पारदर्शिता को लेकर केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। वहीं, प्रश्न पत्रों को सुरक्षित रखने के लिए उनमें क्यूआरकोड और हिडन सिक्योरिटी फीचर शामिल किए गए हैं ताकि पेपर लीक की किसी भी संभावना को रोका जा सके। जिले में पहले दिन नकल का कोई केस नहीं मिला। बोर्ड की ओर से बनाए गए उड़नदस्तों ने भी विभिन्न परीक्षा केंद्रों में पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। यह परीक्षा दोपहर 12:30 बजे से 3:30 बजे तक आयोजित की गई। केंद्र अधीक्षकों को दो दिन पहले ही बस्ते देकर पारदर्शिता के साथ परीक्षा करवाने के निर्देश बोर्ड अधिकारियों ने दिए थे। जिले में सीबीएसई बोर्ड की परीक्षाएं पहले से चल रही हैं, जो मार्च माह में खत्म होंगी। इसके लिए भी अलग-अलग स्कूलों को केंद्र बनाया गया है।

दो साल से फरार अंतरराज्जयीय शराब तस्कर गिरफ्तार

जींद। सीआईए स्टाफ नरवाना की टीम ने राजस्थान के जोधपुर शहर से फरार अंतरराज्जीय शराब तस्कर को काबू किया है। टीम द्वारा करीब अढाई साल पहले 30 लाख रुपये कीमत की 550 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब पकड़ी गई थी। नरवाना सीआईए इंचार्ज सुखदेव सिंह ने बताया कि उनकी टीम ने दौलतनगर जिला बाडमेर जोधपुर राजस्था निवासी नरेश कुमार उर्फ नरु को गिरफ्तार किया है। आरोपित गिरफ्तारी से बचने के लिए राजस्थान के जोधपुर शहर में छिपा हुआ था। गौरतलब हे कि सीआईए नरवाना की टीम ने पांच सितंबर 2022 को चमेला कालोनी नरवाना के नजदीक से एक कंटेनर को काबू किया था। कंटेनर से भारी मात्रा में शराब बरामद हुई थी। पलिस ने कैटर में सवार बाड़मेर के एक शराब तस्कर दूदाराम को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस पूछताछ में सामने आया था कि शराब उसके साथी नरेश उर्फ नरु के सहयोग से वह पंजाब के संगरूर से लोड करके लाया है। तभी से पुलिस नरेश की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी कर रही थी। अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपित ने अपना ठिकाना बदल लिया और राजस्थान के जोधपुर शहर में छिप कर रहने लगा था। सूचना के आधार पर पुलिस ने नरेश को काबू कर लिया। आरोपी को अदालत से चार दिन के रिमांड पर लिया गया है।

कैथलः तेल चुराने की 57 वारदातों को सुलझाया

- वाहनों से तेल चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, दो सगे भाइयों को किया काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

तेल पंप पर खड़ी बस से डीजल चोरी करने के मामले में सीआईए-1 पुलिस ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार करके 27 फरवरी तक पुलिस रिमांड पर लिया गया था। रिमांड अवधि दौरान आरोपियों से पूछताछ दौरान विभिन्न जिलों से तेल चोरी की 57 वारदातों का खुलासा हुआ है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गोबिंद गढ कुरुक्षेत्र निवासी नवल किशोर की शिकायत अनुसार वह कैमब्रिज वर्ल्ड स्कूल पिहोवा में मैनेजर है। 16 फरवरी की रात जगदंबा फिलिंग स्टेशन पर खड़ी उनके स्कूल की एक बस से अज्ञात आरोपियों द्वारा करीब 60 लीटर डीजल चोरी कर लिया। जिस बारे थाना ढांड में मामला दर्ज किया गया। प्रवक्ता ने बताया कि पिछले दिनों से पेट्रोल पंपों व एकान्त स्थानों पर खड़ी बसों-ट्रकों से काफी मात्रा में डीजल तेल चोरी की बढ़ रही वारदातों को देखते एसपी राजेश कालिया द्वारा सीआईए-1 पुलिस को जल्द से जल्द चोरों को पकड़ने बारे आदेश दिए गए थे। आदेशों पर खरा उतरते सीआईए-1 प्रभारी एसआई पारस की अगुवाई में एएसआई शमशेर सिंह, एएसआई बिजेन्द्र सिहं व एचससी विनोद कुमार की टीम द्वारा 22 को गांव ढाणी ब्राह्मण नारनौंद से आरोपी ढाणी ब्राह्मण नारनौंद निवासी रितेश उर्फ रिन्कु व विक्रम को काबू किया। व्यापक पूछताछ के लिए दोनों आरोपियों का अदालत से 4 दिन पुलिस रिमांड हासिल किया गया। रिमांड अवधि दौरान आरोपियों ने उपरोक्त चोरी की वारदात के अतिरिक्त कैथल जिला से करीब 11 तेल चोरी की वारदातों को अंजाम देना कबूल किया। इसके साथ साथ आरोपियों ने वर्ष 2023/2024 दौरान जिला सिरसा से तेल चोरी की 11, जिला जींद से 28, जिला हिसार, रोहतक, फतेहाबाद, कुरुक्षेत्र से 6 अलग अलग डीजल तेल चोरी करने की वारदात कबुल की है। आरोपियों ने हरियाणा के अलग अलग जिलों में वाहनों से डीजल तेल चोरी की करीब 57 वारदातों को अंजाम देना कबूल किया। दोनो आरोपी सगे भाई है जो वर्ष 2013 दौरान इन्ही के गांव के एक युवक की हत्या करने के मामले में आरोपी रितेश 20 साल व आरोपी विक्रम 5 साल की सजा है।

कैथल। वाहनों से तेल चोरी करने वाले आरोपी सीआईए-1 पुलिस गिरफ्त में।

राजौंद। गांव शेरु खेड़ी से देबन जाने वाली सड़क पर बने गहरे गड्ढे।

सड़क पर बने गड्ढे बने चालकों के लिए परेशानी का सबब

राजौंद। गांव शेरु खेड़ी से देबन जाने वाली सडक पर बने बड़े-बड़े गड्ढे वाहन चालकों के लिए लंबे समय से परेशानी का सबब बन रहे है। इस बारे ग्रामीण फकीरचंद,महेंद्र,भजन, ओम प्रकाश ने बताया यह सड़क की हालत काफी लंबे समय से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। जगह-जगह बने गड्ढे मोटरसाइकिल चालकों का तो सड़क से निकलना मुश्किल हो चुका है। इस सड़क से गुजरते समय कई बार मोटरसाइकिल चालक तो चौटिल भी हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि इस बारे कई बार विभाग को लिखित रूप में भी दे चुके हैं। लेकिन कोई कार्रवाही नहीं हो रही। इन लोगों ने संबंधित विभाग के उच्च अधिकारियों से मांग कि है की इस मार्ग का निर्माण कार्य शीघ्र करवाया जाए ताकि लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

कैथलः बार एसोसिएशन का चुनाव आज होगा

कैथल। जिला बार एसोसिएशन के 28 फरवरी को होने वाले चुनाव के लिए कुल 1260 वकील मतदाता मतदान करेंगे। इससे पूर्व बार एसोसिएशन की तरफ से 1334 वकील मतदाताओं की सूचि जारी की गई थी। चुनाव अधिकारी एडवोकेट रमेश सरदाना, उप चुनाव अधिकारी एडवोकेट्स विजय कुमार शर्मा, दरवेश कादयान, बलवान सिंह और ओम प्रकाश सिरसवाल ने बताया कि इनमें से 4 वकील ऐसे थे जो वोट डालने के अयोग्य निकले, एक वकील का लाईसैंस रद्द हो चुका है, 3 वकील यहां से छोडकर अन्य शहरों में चले गए हैं, एक वकील ने किसी दूसरी बार कौंसिल से लाईसैंस ले लिया है, 41 वकीलों ने सीओपी प्रैक्टिस का प्रमाण पत्र जमा नहीं करवाया तथा 24 वकील ऐसे हैं जो यहां से एनओसी लेकर अन्य बार एसोसिएशन के मैंबर बन गए हैं।

करोड़ों खर्च के बावजूद भी नहरी जल को तरसे ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अलेवा

- नहरी पेयजल के लिए काफी समय से जद्दोजहद कर रहे लोग, फिर भी विभाग कर रहा अनुसनी

बधाना गांव के लोग काफी समय से जलघर से मिलने वाले नहरी पानी के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं लेकिन विभाग के अधिकारी लोगों की बातों को अनसुना कर रहे हैं। इसके लिए विभाग ने टैंकों आदि की मरम्मत तथा अन्य कार्यों पर करोड़ों रुपये खर्च तो कर दिए लेकिन अभी तक लोग जलघर से मिलने वाले नहरी पानी से महरूम हो रहे हैं। जिसके कारण गांव के लोगों में सरकार तथा विभाग के अधिकारियों के प्रति रोष है। बधाना निवासी रामकरण, हवा सिंह, विकास, संदीप, राजेशए बनी सिंह, कुलदीप, रमेश आदि ने बताया कि गांव स्थित जलघर के निर्माण के बाद ही गांव के लोगों को टैंकों में नहरी पानी उपलब्ध होने के बावूजद भी पीने के लिए नहरी पानी मिल रहा है। सरकार द्वारा करोड़ों रुपये खर्च कर जींद नहर से दिल्लूवाला वाया नगूरां होते हुए बधाना जलघर तक नहरी पानी की व्यवस्था तो कर दीए लेकिन अधिकारियों की लापरवाही के चलते गांव के लोगों को टैंकों में नहरी पानी की उपलब्धता के बावजूद भी अभी तक नहरी पेयजल नसीब नहीं हुआ है। जिससे विभाग की अनदेखी के चलते गांव के लोग टीडीएस युक्त खारा पानी पीने का मजबूर है। इस पानी से जहां गांव में बीमारी फैलने का अदेंशा बना हुआ है वहीं विभाग स्वच्छ पेयजल के नाम से लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है। हालांकि मामले को लेकर अनेक बार जलापूर्ति विभाग के उच्चाधिकारियों को अवगत करवा चुके।

आज थमेगा प्रचार

जुलानाः 13665 मतदाता चुनेंगे शहर की सरकार

जुलाना। जुलाना में दो मार्च को होने वाले नगर पालिका चुनावों के लिए प्रशासन पूरी मुस्तैदी से लगा हुआ है। क्षेत्र के कुल 13665 मतदाता नगरपालिका प्रधान व 12 नगर पार्षदों के भविष्य का फैसला करेंगे। हालांकि जुलाना में कुल वार्ड तो 14 हैं। मगर दो वार्डों वार्ड नंबर 4, वार्ड नंबर 8 में सर्वसम्मति होने के कारण बूथ तो बनाए गए हैं। 28 फरवरी शाम 6 बजे चुनाव प्रचार थमेगाः रिटर्निंग अधिकारी होशियार सिंह ने बताया कि 28 फरवरी को शाम 6 बजे कस्बे के लोगों को कान फोडने वाले साउंड संग निजात मिलेगी। क्योंकि छह बजे के बाद काई भी प्रचार नही होगा। दो मार्च को होने वाले चुनावों के लिए मतदान के दिन कुल 14 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। सभी पोलिंग बूथों पर सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रहेगी।

जींद। बैठक की अध्यक्षता करते डीसी। फोटो :हरिभूमि

स्कूल बसों की नियमित जांच करने के निर्देश

जींद। स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने स्कूली बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि सभी स्कूली बसों की नियमित जांच की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी वाहन मानकों से अधिक भरा हुआ नहीं हो। स्कूल वाहनों की सुरक्षा जांच स्कूल परिसर में ही हो ताकि बच्चों और अध्यापकों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो। डीसी ने बैठक में उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा और कर्तव्यपरायणता के साथ निभाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़क सुरक्षा और स्कूली बच्चों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसलिए इन नीतियों को प्राथमिकता से लागू किया जाए। जिला उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा की अध्यक्षता में रोड सेफ्टी को लेकर लघु सचिवालय के सभागार में बैठक में जिले की सड़क सुरक्षा, दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की पहचान और सुरक्षित स्कूल वाहन नीति को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में एडीसी विवेक आर्य, एएसपी सोनाक्षी सिंह, एसडीएम सत्यवान मान, आरटीए गिरीश कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सुबह बूंदाबांदी, दिनभर छाए रहे बादल, बारिश के आसार

मौसम के बदले तेवरों ने किसानों की बढ़ाई परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

मौसम के तेवरों ने किसानों को परेशानी को बढ़ा दिया है। किसानों को मौसम के बदले तेवरों से लगातार ओलावृष्टि का भय सताता रहा। वीरवार सुबह बूदांबांदी हुई तो दिनभर बादलों का जमावड़ा लगा रहा। रूक-रूक कर छींटा छांटी भी होती रही। 18 किलोमीटर प्रति घटां की स्पीड से चली हवा परेशानी का सबब बनी रही। तापमान मे भी गिरावट दर्ज की गई। वीरवार को अधिकतम तापमान 23 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 16 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम मे आर्दता 63 प्रतिशत तथा हवा की गति 18 किलोमीटर प्रति घटा दर्ज की गई। बादलो के छाए रहने से बारिश के आसार भी बने रहे। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को भी बादल छाए रहने तथा बारिश की संभावना है। मौसम ने बुधवार शाम को ही करवट ले ली थी। आकाश में छाए बादल रात को और गहरे हो गए। वीरवार को अलसुबह गरज तथा चमक के साथ बूंदाबादी शुरू हो गई। जो कुछ समय तक रूक-रूक कर जारी रही। दिन चढऩे के साथ हवा की गति तेज हो गई। दिन भर आकाश में बादल छाए रहे। जिसके चलते अधिकतम तापमान में पांच डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। बादलों के छाए रहने से बूदाबादी के आसार भी बने रहे। रबी सीजन की फसले पकाव की तरफ है। गेहूं में बालियां निकल रही हैं और दाना बन रहा है। सरसों पकाव की तरफ है। किसान ओलावृष्टि से उभरे नही नही थे कि मौसम फिर से खराब हो गया। हवा की गति होने से फसल पसरने का खतरा भी बना रहा। किसानों का कहना है कि बूंदाबांदी तक तो कोई बात नही। अगर बारिश के साथ तेज हवा चलती है। फसल पसर जाने का खतरा है। इस मौसम मे ओला वृष्टि का खतरा भी बना रहता है।

जींद। बारिश के बाद फसल को देखते किसान। फोटो :हरिभूमि

फसलो मे पानी से परेहज करें

मौसम वैज्ञानिक डा. राजेश ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के चलते मौसम ने करवट ली है। शुक्रवार को भी आकाश में बादल छाए रहेंगें। बूंदाबांदी के भी आसार हैं। मौसम को देखते हुए किसान फसलो मे पानी से परेहज करें।

राजौंदः बूंदाबांदी ने बढ़ाई ठंडक

राजौंद। गुरुवार को सुबह अचानक मौसम ने करवट ली बादलों के साथ हल्की बूंदाबांदी से एक बार फिर से ठंड का आगाज शुरू हो गया। गुरुवार को पूरा दिन सूर्य न निकलने से काफी ठंड रही। जिससे लोगों की दिनचर्या भी काफी प्रभावित होकर रह गई। पिछले कई दिनों से लगातार धूप निकलने से मौसम काफी गर्म था। लेकिन गुरुवार सुबह अचानक आसमान पर बादल छाने से हल्की बूंदाबांदी व तेज सर्द हवाओं के चलते मौसम में एक बार फिर सर्दी का आगाज बढ़ गया है। जिससे तापमान भी काफी प्रभावित हुआ है। उधर किसानों ने बताया कि अगर अब बेमौसमी बारिश होती है तो उसकी फसलों को काफी नुकसान हो सकता है। किसानों ने कहा कि पिछले दिनों ओले व बरसात के साथ चली तेज हवाओं से पहले ही गेहूं की फसल जमीन पर बिछ गई है।

बच्चों, तुम कहानियां, कॉमिक्स या मैग्जीस तो पढ़ते ही होगे। अगर तुम्हें ऐसी किताबें पढ़ने के साथ-साथ साइंस में भी रुचि है तो विज्ञान कथाएं यानी साइंस फिक्शन भी पढ़ो, तुम्हें खूब मजा आएगा। विज्ञान कथाएं तुम्हें रहस्य-रोमांच की एक अलग ही दुनिया में ले जाएंगी। आज साइंस-डे के मौके पर जानो, साइंस फिक्शन से जुड़ी कुछ रोचक बातें।

रहस्य-रोमांच से भरपूर साइंस फिक्शन

स्पेशल स्टोरी / शिखर चंद जैन

बच्चों, विज्ञान कथाएं यानी साइंस फिक्शन पढ़ने का अपना अलग ही रोमांच है। कहने को तो ये काल्पनिक कथाएं होती हैं, लेकिन इनमें सिर्फ ऐसी कल्पनाएं नहीं होतीं, जो बिल्कुल ही निराधार हों, इनका साकार होना संभव न हो। दुनिया में इंसान के लिए बहुत से ऐसे उपयोगी आविष्कार हुए हैं, जो विज्ञान कथाओं से प्रेरित हैं। सक्षम और अनुभवी विज्ञानकथा लेखकों ने तकनीक, फैंटेसी और भविष्य की कल्पना का ताना-बाना बुनकर ऐसी बहुत सी रोचक विज्ञान कथाएं लिखी हैं, जो पूरी दुनिया के बच्चों को ही नहीं, बड़ों को भी खूब पसंद आई हैं।

क्या हैं विज्ञान कथाएं

विज्ञान कथाएं अकसर भविष्य की कल्पना करके लिखी जाती हैं। जैसे आने वाले समय में मनुष्य कौन-सी नई तकनीक इस्तेमाल कर सकता है, यातायात, संचार, रहन-सहन और सुख-सुविधाओं के लिए कैसे उपकरणों का उपयोग किया जा सकता है? ये कहानियां वास्तविक दुनिया से बहुत अलग होती हैं। लेकिन इन्हें असंभव या सिर्फ एक कल्पना कहकर हवा में नहीं उड़ाया जा सकता। इन विज्ञान कथाओं में ग्रहों के तरह-तरह के जीवों, अंतरिक्ष में मनुष्य के सुगमता पूर्वक रहने की कल्पना की जाती है। अलग-अलग विज्ञान कथा लेखकों ने चिकित्सा की नवीनतम प्रणालियों, यातायात के अद्भुत साधन, नई संचार प्रणालियों की कल्पना बहुत पहले की है, जो आज साकार हैं।

कहां से आया 'साइंस फिक्शन' टर्म

ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी के अनुसार सबसे पहले 'साइंस फिक्शन' या 'विज्ञान कथा' शब्द का प्रयोग 1851 में हुआ था। विलियम विल्सन ने इसे अपनी संकलित कविताओं की पुस्तक 'अ लिटिल अर्नेस्ट बुक अपॉन ए ग्रेट ओल्ड सब्जेक्ट' में इस्तेमाल किया था। आधुनिक समय में 'साइंस फिक्शन' शब्द को प्रचलित करने का श्रेय ह्यूगो जर्न्स बैक को जाता है। उन्होंने 1926 में विज्ञान कथाओं की पत्रिका 'अमेजिंग स्टोरीज' शुरू की थी। 1930-40 तक 'साइंस फिक्शन' शब्द बहुत लोकप्रिय हो चुका था।

तरह-तरह की विज्ञान कथाएं

विज्ञान कथाएं यानी साइंस फिक्शन कई तरह के होते हैं। मोटे तौर पर लोग इन्हें दो शैलियों में विभाजित करते हैं- हार्ड और सॉफ्ट विज्ञान कथाएं। हार्ड साइंस फिक्शन विज्ञान सम्मत सच्चे तथ्यों और सिद्धांतों पर आधारित होती हैं। इनमें फिजिकल साइंस, एस्ट्रोलॉजी और केमिस्ट्री का प्रयोग रहता है। इनमें बताया जाता है कि आने वाले दिनों में मनुष्य कई उन्नत तकनीकें विकसित कर लेगा। कई हार्ड साइंस फिक्शन लेखक तो पेशेवर वैज्ञानिक रहे हैं। उनकी कई कल्पनाओं ने बखूबी मूर्त रूप लिया और नए आविष्कारों का आधार बनीं। सॉफ्ट साइंस फिक्शन मनोविज्ञान, पॉलिटिकल साइंस, इकोनॉमिक्स, न्यूरो साइंस और सोशियोलॉजी से आइडिया लेती हैं। ये कहानियां ज्यादातर भावनाओं और कैरेक्टर्स पर आधारित होती हैं। सामाजिक और सॉफ्ट विज्ञान कथाएं काफी हद तक काल्पनिक होती हैं। अलौकिक विज्ञान कथाओं में अद्भुत क्षमता संपन्न मनुष्यों की कल्पना और सुपरमैन जैसे पात्रों की कल्पना की जाती है। स्पेस ओपेरा में अंतरिक्ष पर दूसरे ग्रहों की दुनिया पर आधारित कहानी होती हैं। वहीं टाइम ट्रैवल में ऐसा कथानक बुना जाता है, जो किसी पात्र को अचानक बहुत समय बाद के कालखंड में मौजूद दिखाता है।

कई आविष्कारों की प्रेरणा हैं विज्ञान कथाएं

विज्ञान कथाएं कई उपयोगी आविष्कारों की प्रेरणा बन चुकी हैं, ऐसा खुद आविष्कारकों और वैज्ञानिकों ने स्वीकार किया है। जूल्स बर्न का विज्ञान उपन्यास 'रॉबर द कंकरर', जिसका दूसरा नाम है 'क्लिपर ऑफ द क्लाउड्स' में उड़ान भरने वाली मशीन अल्बाट्रॉस का विवरण है। इससे प्रेरित होकर अमेरिकी विशेषज्ञ आई गौर सिकोर्सकी ने हेलीकॉप्टर डिजाइन किया। रॉकेट की प्रेरणा अमेरिकी वैज्ञानिक रॉबर्ट गोडर्ड को ब्रिटिश विज्ञान कथा लेखन एचजी वेल्स की पुस्तक 'द वॉर ऑफ वर्ल्ड' से मिली। ह्यूमनायड रोबोट की प्रेरणा जापान के रोबोट विज्ञानी टोमोटाका ताकहासी को 'एस्ट्रोबॉय' कॉमिक्स से मिली । WWW यानी वर्ल्ड वाइड वेब का आइडिया ऑथर सी क्लार्क की शॉर्ट स्टोरी 'डायल एफ फॉर फ्रैंकस्टीन' से मिला, ऐसा खुद इन वैज्ञानिकों ने स्वीकार किया है। *

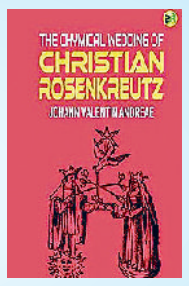

पहली विज्ञान कथा

दुनिया की पहली विज्ञान कथा 1616 में जर्मन लेखक जोहान वेलेंटीन एंड्रिए लिखित उपन्यास 'द केमिकल वेडिंग' को माना जाता है। इस उपन्यास की कहानी एक ऐसे व्यक्ति की है, जिसे एक पंख वाली महिला की रहस्यमयी शाही शादी में आमंत्रित किया जाता है। भारत में विज्ञान कथाओं की विधिवत शुरुआत 1896 से मानी जाती है। प्रसिद्ध वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस ने 1896 में बांग्ला भाषा में 'आगोश' और 'पलातक तूफान' के नाम से विज्ञान कथाएं लिखी थीं। कुछ लोग 1905 में रुकेया शेखावत हुसैन द्वारा लिखित 'सुल्तान का सपना' को पहली विज्ञान कथा मानते हैं, जो 'द इंडियन लेडीज' मैगजीन में छपी थी। हालांकि 1882 में विज्ञान दर्पण में हेमलाल दत्त की कहानी 'रहस्य', 1884 में पंडित अंबिका दत्त व्यास द्वारा लिखित 'आश्चर्य वृतांत', 1892 में जगदानंद राय द्वारा लिखित 'शुक्र भ्रमण' शुरुआती विज्ञान कथाएं मानी जाती हैं। विज्ञान कथा या साइंस फिक्शन शब्द का प्रयोग भले ही बाद में शुरू हुआ हो लेकिन विज्ञान कथाएं बहुत पहले से किसी ने किसी रूप में लिखी-पढ़ी जाती रही हैं।

स्पेस के नजारे दिखाते प्लेनेटोरियम

बच्चों, अगर तुम्हें खगोल विज्ञान मतलब कि सूर्य, चंद्रमा और तारों से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी चाहिए तो तारामंडल में जाकर ले सकते हो। ये तारामंडल अपने देश में कहां-कहां हैं? यहां जाकर तुम कैसे खगोल विज्ञान से जुड़ी जानकारी रोचक, सरल ढंग से पा सकते हो, जानो।

जानकारी

प्लेनेटोरियम को हम हिंदी में ताराघर या तारामंडल भी कहते हैं। वास्तव में यह एक ऐसा भवन होता है, जहां लोगों को खगोल विज्ञान से जुड़ी ज्ञानवर्धक जानकारियां मनोरंजक ढंग से दी जाती हैं।

ऐसा बना होता है तारामंडल: आमतौर पर तारामंडल में गुंबद के आकार की छत होती है, इसके इर्द-गिर्द दर्शकों के बैठने के लिए स्टेडियम के तरह का हॉल होता है। इस विशेष हॉल में एक प्रोजेक्टर गुंबददार छत पर उभर रही छवियों पर रोशनी डालकर उन्हें चमकाता है। इन छवियों से संबंधित जरूरी जानकारियां वहां बैठे लोगों को कमेंट्री करके दी जाती है।

कोई निश्चित आकार नहीं होता: तारामंडल का कोई निश्चित आकार नहीं होता, लेकिन जिसे दुनिया का प्लेनेटोरियम नंबर वन कहा जाता है, वह तारामंडल रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में स्थित है। इसके गुंबद का आकार 37 मीटर है।

भारत में कितने हैं तारामंडल: भारत में 30 तारामंडल हैं। इनमें चार सबसे मशहूर हैं, जो क्रमशः मुंबई, नई दिल्ली, बैंगलुरु और प्रयागराज में स्थित हैं। जहां तक देश के पहले एमपी बिड़ला ताराघर की बात है, यह सितंबर 1962 में कोलकाता में शुरू हुआ था।

देते हैं खगोलीय पिंडों की जानकारी: बच्चों, जब इन तारामंडलों में लोग अंधेरे में बैठकर गुंबद की ओर देखते हैं, तो ऐसा आभास होता है, जैसे हम किसी खुले स्थान में बैठे हुए आकाश की छटा देख रहे हों। यहां विभिन्न ग्रह-उपग्रह और तारे चलते हुए प्रतीत होते हैं। खगोलीय पिंडों के विषय में जानकारी प्रदान करने वाले ये बड़े ही उपयोगी तारामंडल हैं। इनके जरिए सूर्य, चंद्रमा और तारों की आकाश में होने वाली वार्षिक गतिविधियों को बहुत अच्छी तरह से चंद मिनटों में देखा और समझा जा सकता है।

ऐसे हैं आधुनिक तारामंडल: आधुनिक तारामंडलों (प्लेनेटोरियम) में स्लाइड दिखलाने वाले प्रोजेक्टर लगे रहते हैं। इनके द्वारा अंतरिक्ष यात्राओं और दूसरे ग्रहों पर उतरने के दृश्य भी दिखलाए जाते हैं।

बढ़ता जा रहा है महत्व: तारामंडलों का महत्व अंतरिक्ष संबंधी ज्ञान बढ़ने के साथ ही बढ़ता जा रहा है। प्रदूषण, बादल, कुहरे आदि के कारण आकाश में किसी ग्रह या तारे का पता लगाना बहुत कठिन होता है, लेकिन इन्हें हम तारामंडल में सरलता से देख सकते हैं। उनकी स्थिति, विवरण और गति आदि की पूरी जानकारी भी हमें मिल जाती है। प्लेनेटोरियम की रचना बहुत ही जटिल होती है। इसमें बहुत से लेंस, प्रिज्म और दर्पण लगे होते हैं। अमेरिका के सैनफ्रांसिस्को शहर में स्थित प्लेनेटोरियम में लगभग 25,000 छोटे-बड़े यंत्र हैं। इस प्रोजेक्टर का वजन लगभग 2.5 टन है। सबसे पहला प्लेनेटोरियम जीज ऑप्टिकल कंपनी, पूर्वी जर्मनी के वाल्टर ने 1923 में बनाया था। आज संसार के सभी देशों में बड़े-बड़े शहरों में प्लेनेटोरियम बने हुए हैं, जिनसे दर्शक अपने ज्ञान की वृद्धि करते हैं। *

प्रस्तुति : एफएमएन

तुम्हारे लिए नई किताब

समीर गांगुली

मशीनों का सत्याग्रह

बच्चों, पहले कुछ बड़े बच्चों यानी किशोर पाठकों के लिए हिंदी में स्तरीय विज्ञान कथाएं पढ़ने को कम मिलती थीं, लेकिन अब लिखी जा रही हैं। इन्हीं विज्ञान कथाओं में आया है नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित एक रोचक विज्ञान फैंटेसी उपन्यास 'मशीनों का सत्याग्रह'। इसके लेखक हैं सूर्यनाथ सिंह, जिन्हें इससे पहले 'कौतुक एप' नामक साइंस फिक्शन यानी विज्ञान कल्प कथा पर साहित्य अकादमी का बाल साहित्य पुरस्कार मिल चुका है। 'मशीनों का सत्याग्रह' में एआई यानी आर्टिफिशियल इंटलीजेंस युक्त रोबोट्स द्वारा संचालित और नियंत्रित भविष्य की अतिविकसित दुनिया की रोमांचक कहानी है। सोचो जरा, अगर ये इंटेलीजेंट रोबोट्स एक दिन सामूहिक रूप से विद्रोह पर उतर आए तो दुनिया का क्या हाल होगा? उपन्यास की शुरुआत बाइसवीं सदी के पहले दिन नए वर्ष के उत्सव और उल्लास के माहौल से होती है। उस दौर के भविष्य की कल्पना बहुत ही रोचक अंदाज में करने के साथ ही उस समय के पर्यावरण की स्थिति को भी इसमें दिखाया गया है। सबसे अधिक रोमांच तो तब होता है, जब उत्सव के उस माहौल में अचानक खबर आती है कि रोबोट्स सत्याग्रह करते हुए सड़कों पर उतर आए हैं। फिर क्या होता है, जानने के लिए तुम्हें यह उपन्यास पढ़ना होगा। बच्चों, लेखक ने इस बात का ध्यान रखा है कि तुम तकनीकी शब्दावली और टेक्नोलॉजी की जटिलता में न उलझ कर एक रोमांचक कहानी का मजा लो। बच्चों, इसे तुम नेशनल बुक ट्रस्ट के पोर्टल या ऑनलाइन या फिर नेशनल बुक ट्रस्ट के किसी स्टोर से खरीद सकते हो। *

किताब: मशीनों का सत्याग्रह, **लेखक:** सूर्यनाथ सिंह, **मूल्य:**110 रुपए, **प्रकाशक:** नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली

विज्ञान कथा

जाकिर अली 'रजनीश'

करम के दिमाग में एक दिन आया कि क्यों न वह एक ऐसा रोबोट बनाए, जो उसका होमवर्क कर दिया करे। बाजार से सारे कल-पुर्जे मंगवा कर करम ने एक रोबोट बना भी लिया, लेकिन जब उसने रोबोट से होमवर्क के सवाल करने को कहा तो उसने कोई रेस्पॉन्स नहीं दिया। रोबोट ने करम का होमवर्क क्यों नहीं किया?

इससे तो अच्छा...

अखबार में रोबोट का विज्ञापन देखकर करम के दिमाग में एक विचार कौंधा, 'क्यों न एक ऐसा रोबोट बनाया जाए, जो मेरा होमवर्क कर दिया करे।'

यह सोचकर करम रोमांचित हो उठा। अपनी सोच को अमलीजामा पहनाने के लिए उसने कंप्यूटर की मदद ली। उसने इस विषय की किताबें खोज-खोज कर पढ़ीं। कई किताबों को पढ़ने के बाद करम को विश्वास हो गया कि वह भी रोबोट बना सकता है। मन में यह विश्वास आते ही वह अम्मी के पास पहुंचा। वह उस समय बेड पर बैठीं टीवी देख रही थीं। करम उनसे बहुत प्यार से बोला, 'अम्मीजान, मैं एक रोबोट बनाना चाहता हूं।'

'अरे वाह, यह तो बहुत अच्छी बात है!' अम्मी ने रोमांचित होकर पूछा, 'लेकिन बेटा, क्या तुम रोबोट बना पाओगे?'

'हां अम्मी, बस कुछ रुपयों की जरूरत पड़ेगी।' करम ने पूरे विश्वास के साथ जवाब दिया। 'ठीक है, लेकिन इससे तुम्हारी पढ़ाई नहीं डिस्टर्ब होनी चाहिए।' अम्मी ने आगाह किया।

'जी अम्मी, आप मुझ पर यकीन करें। मैं अपनी स्टडी बिल्कुल भी डिस्टर्ब नहीं होने दूंगा।' करम ने वादा किया। अम्मी को मालूम था कि करम धुन का पक्का है। वह जो ठान लेता है, करके ही मानता है। इसलिए उन्होंने उसे जरूरत के मुताबिक रुपए दे दिए। करम ने अम्मी का शुक्रिया अदा किया और अपने काम में लग गया।

सबसे पहले करम ने गूगल से रोबोट के कल-पुर्जे बनाने वाली दुकान का पता खोजा, फिर अपनी जरूरत का सामान ऑर्डर कर दिया। रोबोट के कल-पुर्जे वाली दुकान करम के शहर में थी। शाम तक करम का सारा सामान घर पर आ गया। करम ने अपने स्टडी रूम को प्रयोगशाला में बदल दिया और रोबोट बनाने में जुट गया। इस काम में उसे काफी मेहनत करनी पड़ी। जहां कहीं पर वह अटकता, गूगल की मदद ले लेता। इस तरह उसकी समस्या हल हो जाती। वह फिर से अपने काम में जुट जाता।

अंततः करम की मेहनत रंग लाई। उसका रोबोट तैयार हो गया। अपनी इस सफलता पर करम फूला नहीं समाया। उसने रोबोट का नाम रखा-रेंचो ।

करम का रोबोट देखकर अम्मी-अब्बा गदगद हो उठे। उन्होंने दिल खोल कर करम की तारीफ की। करम ने अपने दोस्तों को घर बुला कर अपना रोबोट दिखाया। उसके सारे दोस्त भौंचक्के रह गए। सुमित बोला, 'क्या यह सचमुच में होमवर्क के सवाल हल कर पाएगा?'

'क्यों नहीं!' करम मुस्कुराया। उसने रोबोट को आदेश दिया, 'रेंचो, मुझे होमवर्क में जो सवाल हल करने को मिले हैं, उन्हें करके दो।'

रोबोट शांत खड़ा रहा। जैसे उसने करम की बात सुनी ही न हो। यह देखकर करम के दोस्त मुस्कुराने लगे। करम ने रोबोट को दुबारा आदेश दिया, 'रेंचो, तुमने सुना नहीं? मेरा होमवर्क करो।'

लेकिन रोबोट इस बार भी कुछ नहीं बोला। उसके पेट पर लगी स्क्रीन पर कोई संदेश उभर रहा था, लेकिन करम ने उस पर ध्यान नहीं दिया। उसने गुस्से में रोबोट के गाल पर एक झापड़ रसीद कर दिया।

रोबोट लोहे का बना हुआ था। इसलिए करम का हाथ झन्ना गया। वह हाथ पकड़कर बैठ गया और रोबोट को बुरा-भला कहने लगा। तभी करम के अब्बा वहां आ गए। वह बोले, 'यह क्या कर रहे हो बेटा? तुम अपना गुस्सा रोबोट पर क्यों उतार रहे हो?'

'अब्बा, यह मेरा कहना नहीं मानता।' करम गुस्से में बोला।

अब्बा बोले, 'इसमें इसकी क्या गलती?'

'गलती क्यों नहीं है अब्बा?' करम ने सवाल किया,'मैंने आखिर इसे होमवर्क करने के लिए ही तो बनाया है?'

'हां, पर तुमने सिर्फ एक लोहे का ढांचा बनाया है। अगर तुम चाहते हो कि यह सवाल भी हल करे, तो तुम्हें इसके मस्तिष्क में प्रोग्राम करके गणित के सूत्र भी डालने होंगे और यह एक मुश्किल काम है।' अब्बा ने करम को समझाया।

'यह तो मुश्किल काम है।' करम ने बुझे मन से पूछा, 'इसमें कितना समय लगेगा?'

'इसमें दो-तीन साल भी लग सकते हैं। इसके लिए तुम्हें प्रोग्रामिंग सीखनी होगी, सवालों के सूत्रों को कोड में बदलना होगा, फिर उन्हें रोबोट के मस्तिष्क में...।' अब्बा ने बताया।

करम अब्बा की बात बीच में ही काटते हुए बोला, 'इससे तो अच्छा है कि मैं अपने सवाल खुद ही हल कर लूं।'

तभी करम की आंख खुल गई। यह क्या? क्या वह सपना देख रहा था? हां, वह तो मेज पर सिर रख कर सो गया था। शायद अम्मी के पैरों की आहट सुनकर उसकी नींद टूटी थी।

उसी समय अम्मी वहां आ गईं, बोलीं, 'क्या सोच रहे हो बेटा?'

'ज... जी कुछ नहीं।' करम चौंकते हुए बोला और फिर सवाल सॉल्व करने में व्यस्त हो गया। *

कविता

अखिलेश श्रीवास्तव 'चमन'

मानव शरीर

भैया यह मानव शरीर है
चलती-फिरती मशीन।
भांति-भांति के लगे हैं पुर्जे
काम हैं जिनके बड़े महीन।
जैसे भवन बना करते
ढेरों ईंटों के मेल से।
वैसे बना शरीर हमारा
छोटे-छोटे सेल से।
पेट हमारी भट्ठी जिसमें
खाद्य पदार्थ जला करते।
अम्ल, क्षार और रस में घुलकर
हर कोशिका को मिला करते।
जैसे कि पंपिंग मशीन
हर घर में जल पहुंचाता है।
वैसे ही सारे अंगों में
हृदय रक्त दौड़ाता है।
शोधक यंत्र हमारे गुर्दे
नियमित काम किया करते।
अच्छी चीजें रख लेते और
गंदा फेंक दिया करते।
खोजी यंत्र हमारी आंखें
देतीं दिमाग को हर संदेश।
कंप्यूटर दिमाग निर्णय लेता
देता है अंगों को आदेश।

जीके क्विज-143

1. किस वैज्ञानिक खोज की स्मृति में प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है?
2. किस भारतीय वैज्ञानिक ने सर्वप्रथम पता लगाया कि पेड़-पौधों में भी जीवन होता है?
3. भारत में परमाणु कार्यक्रम की शुरुआत का श्रेय किस वैज्ञानिक को जाता है?
4. किस भारतीय वैज्ञानिक को 'मिसाइल मैन' के नाम से जाना जाता है?
5. भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का मुख्यालय कहां स्थित है?
6. खगोलीय वेधशाला 'जंतर मंतर' का निर्माण किस शासक ने करवाया था?
7. भारत के 26वें मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में किसे नियुक्त किया गया है?
8. हाल ही में यूके में मानद नाइटहुड की उपाधि से किसे सम्मानित किया गया है?
9. किस भारतीय स्वाधीनता सेनानी को 'देशबंधु' के नाम से जाना जाता है?
10. 'वेदों की ओर लौटो' का नारा किसने दिया था?

बच्चों, जीके क्विज-143 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-142 का उत्तर : 1.विराट कोहली, 2.पंकज आडवाणी, 3.रेखा गुप्ता, 4.रोलेट एक्ट (1919), 5. 22 दिसंबर, 6.आर.के. नारायण, 7.विटामिन डी, 8.हाइड्रोजन, 9.नाइक्रोम, 10.आर्यभट्ट

जीके क्विज-142 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, रमेश-रायगढ़, रोहित-बिलासपुर, अंजना-बालोद, साकेत-दुर्ग, ज्योति-बलौदा बाजार, अंकित-रोहतक, अनिता-महासमुंद, दिव्या-महेंद्रगढ़, कशिश-भोपाल, अमन-रायपुर

अंतर बताओ

बच्चों, यहां लैब में एक्सपेरिमेंट कर रहे साइंटिस्ट के एक समान दिखने वाले दो चित्र दिए गए हैं। इन चित्रों में 7 अंतर हैं। तुम्हें पांच मिनट में ये सभी अंतर खोजकर बताने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट सारे अंतर बताओ।

ढूंढो तो जरा...

बच्चों, दिए गए चित्र में नीचे सोलर सिस्टम और स्पेस रिसर्च से रिलेटेड जुड़े कुछ टर्म्स दिए गए हैं। तुम ऊपर बॉक्सेज में से उन टर्म्स को ढूंढकर बताओ।

O	Y	J	U	A	X	I	K	H	N	S
I	S	H	U	T	T	L	E	C	A	P
W	R	N	G	R	X	B	A	Q	S	A
G	R	A	V	I	T	Y	S	H	A	C
A	T	M	O	S	P	H	E	R	E	E
Y	P	L	A	N	E	T	F	V	D	M
T	C	E	X	P	L	O	R	E	S	E
T	L	A	U	N	C	H	X	N	O	T
J	P	Y	M	C	A	P	S	U	L	E
N	C	Q	X	R	D	P	O	S	A	O
H	F	N	Y	Y	L	G	J	H	R	R

LAUNCH, VENUS, SHUTTLE, PLANET
CAPSULE, ATMOSPHERE, EXPLORE, NASA
GRAVITY, METEOR, SOLAR, SPACE

खबर संक्षेप

सभी मतदाता करें बढ़चढ़ कर मतदान : उपायुक्त

कैथल। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी प्रीति ने कहा कि आगामी दो मार्च को नगर पालिका सीवन, कलायत तथा पूंडरी में अध्यक्ष एवं पार्षद पद के लिए मतदान होगा। इसमें सभी मतदाता बढ़चढ़ भाग लें और अपने मताधिकार का बिना किसी डर, भय और लालच के उपयोग करें। कहा कि भारत में सभी वर्गों के लोगों को मतदान का समान अधिकार मिला है। लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाने के लिए सभी को मतदान कर गौरवान्वित महसूस करना चाहिए।

सुखी रहने के लिए सकारात्मक सोचें

जींद। असमर्थ महिला कल्याण न्यास के संस्थापक रामनिवास अहिरका ने कहा कि जब दूध से भरे आधे गिलास को नकारात्मक सोच वाला व्यक्ति देखाता है, तो वह कहता है की दूध से आधा गिलास खाली है। जब उसी गिलास को सकारात्मक सोच वाला व्यक्ति देखाता है तो वह कहता है कि दूध से आधा गिलास भरा है। बात दोनों की वही है लेकिन नकारात्मक सोच वाला व्यक्ति का मन हर समय रिक्तता की और रहता है।

पुत्रवधु- दामाद ने सास को पीटा, शिकायत दर्ज

जींद। सफीदों में बहु तथा दामाद ने सास को पीट-पीट कर घायल कर दिया। शहर थाना सफीदों पुलिस ने शिकायत के आधार पर दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सफीदों निवासी शकुंतला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी पुत्रवधु आरती के साथ कहासुनी हो गई थी। जिस पर आरती ने अपने ननदोई गांव खदरा निवासी जसमेर को बुला लिया। दोनों उसके घर पर आए और उसके साथ मारपीट की।

दो दिवसीय महाशिवरात्रि महोत्सव संपन्न

सफीदों। उपमंडल के गांव सरनाखेड़ी स्थित भक्ति योग आश्रम में दो दिवसीय महाशिवरात्रि महोत्सव धूमधाम से संपन्न हो गया। कार्यक्रम में डा. शंकरानंद सरस्वती महाराज का सानिध्य प्राप्त हुआ। वहीं साध्वी अराधिका सरस्वती विशेष रूप से मौजूद रहीं। महोत्सव में विद्वान ब्राह्मणों द्वारा चारों पहर की पूजा व मृत्युंजय महादेव का अभिषेक करवाया गया। वहीं भजन प्रवाहक राजू शर्मा द्वारा शिव जागरण किया गया। डा. शंकरानंद सरस्वती ने ज्योत प्रज्वलित करके जागरण का शुभारंभ किया।

पूजा-अर्चना करने गई युवती लापता

कैथल। चीका थाना के तहत आने वाले एक गांव में मंदिर में पूजा-अर्चना करने गई युवती लापता हो गई। इस मामले में चीका थाना में युवती के भाई की शिकायत पर गुमशुदगी का केस दर्ज कर लिया है। जब युवती काफी देर तक घर नहीं लौटी तो परिजनों ने अपने स्तर पर उसकी तलाश की, लेकिन उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई। युवती के भाई ने चीका थाना में दी गई शिकायत में बताया कि 26 को शिवरात्रि पर्व के चलते उसकी बहन ने व्रत किया था।

दो दिवसीय सम्मेलन दिल्ली में चार से होगा

कैथल। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी प्रीति ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने चार से पांच मार्च को भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली में सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय किया है। उन्होंने बताया कि ज्ञानेश कुमार के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) के रूप में कार्यभार संभालने के बाद से यह पहला ऐसा सम्मेलन है।

सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ

जींद। अलेवा के राजकीय कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ प्राचार्या वीणा कुमारी के निर्देशन में किया गया। इसमें विविध जागरूकता कार्यक्रम, स्वैच्छिक सेवा, रैलियां एवं सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। शिविर के पहले दिन स्वयंसेवकों ने समाजसेवा की शपथ लेकर शिविर की शुरुआत की।

पिंडदान कर तर्पण किया, मांगी सुखद भविष्य की कामना

फाल्गुन अमावस्या पर लगाई श्रद्धा की डुबकी

पूरी रात धर्मशालाओं में सत्संग तथा कीर्तन चलते रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

फाल्गुन अमावस्या पर पांडू पिंडारा स्थित पिंडतारक तीर्थ पर गुरूवार को श्रद्धालुओं ने सरोवर में स्नान किया तथा पिंडदान करके तर्पण किया। पिंडारा तीर्थ पर बुधवार शाम से ही श्रद्धालु पहुंचना शुरू हो गए थे। पूरी रात धर्मशालाओं में सत्संग तथा कीर्तन चलते रहे। बुधवार को सुबह से ही श्रद्धालुओं ने सरोवर में स्नान तथा पिंडदान शुरू कर दिया जो मध्याह्न के बाद तक चलता रहा। इस मौके पर दूर दराज से आए श्रद्धालुओं ने अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान किया तथा सूर्य देव को जल अर्पण करके सुख समृद्धि की कामना की। वहीं पिंडारा तीर्थ पर अमावस्या पर पहुंचे श्रद्धालुओं ने खरीदारी भी की। तीर्थ पर जगह-जगह लोगों ने सामान बेचने के लिए फड़े लगाई हुई थी। जिस पर बच्चों तथा महिलाओं ने खरीदारी की। बच्चों ने जहां अपने लिए खिलौने खरीदे तो वहीं बड़ों ने भी घर के लिए सामान खरीदे। जयंती देवी मंदिर के पुजारी नवीन शास्त्री ने बताया कि पिंड तारक तीर्थ के संबंध में किवदंती है कि महाभारत युद्ध के बाद पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पांडवों ने यहां 12 वर्ष तक सोमवती अमावस्या की प्रतीक्षा में तपस्या की। बाद में सोमवती अमावस के आने पर युद्ध में मारे गए परिजनों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान किया। तभी से यह माना जाता है कि पांडु पिंडारा स्थित पिंड तारक तीर्थ पर पिंडदान करने से पूर्वजों को मोक्ष मिल जाता है। महाभारत काल से ही पितृ विसर्जन की अमावस्याए विशेषकर सोमवती अमावस्या पर यहां पिंडदान करने का विशेष महत्व है। यहां पिंडदान करने के लिए विभिन्न प्रांतों के लोग श्रद्धालु आते हैं। जयंती देवी मंदिर के पुजारी नवीन शास्त्री ने बताया कि फाल्गुन मास की अमावस्या को शिव खप्पर पूजा करने का विधान है। यह पूजा दुखों को नष्टकर सुखमय जीवन जीने की एक आध्यात्मिक पद्धति है। इस दिन पूरे विधि विधान से पूजा पाठ अने से भगवान शिव और माता पार्वती सन्न होते हैं। जिससे दरिद्रता का नाश होता है। दुख खत्म होते हैं और उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है।

पिंडदान करवाते श्रद्धालु व पिंडारा तीर्थ पर लगे मेले में खरीददारी करते श्रद्धालु।

मातृ-पितृ पूजन दिवस श्रद्धा से मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। कार्यक्रम को संबोधित करते बहन शचि। *फोटो :हरिभूमि*

स्थानीय भारत विद्या मंदिर मिडल स्कूल में श्री योग वेदांत समिति की ओर से मातृ-पितृ पूजन दिवस बहुत ही श्रद्धा और प्रेमभाव से मनाया गया। इस कार्यक्रम का संचालन समिति की साधिका बहन शचि ने किया। विशेष सहयोग बहन सीमा, स्नेह, तथा ऊषा साधिकाओं व भाई राकेश द्वारा किया गया। बहन शचि ने कहा कि जिसने अपने माता-पिता एवं गुरु का आदर कर लिया, उसके द्वारा संपूर्ण लोकों का आदर हो गया और जिसने इनका अनादर कर दिया, उसके संपूर्ण शुभ फल निष्फल हो गए। वे बड़े ही भाग्यशाली होते हैं जिन्होंने माता-पिता एवं गुरु की सेवा के महत्व को समझा ओर उनकी सेवा में अपना जीवन सफल किया। माता-पिता और गुरुजनों का आदर करने वाला चिर आदरणीय हो जाता है। आप भी माता-पिता व गुरुजनों की आदर से सेवा करके उनके ऋण से उऋण बनें, संतों के आशीर्वाद आपके साथ है। विद्यार्थियों ने अपने माता-पिता से आशीर्वाद लिया और माता.पिता ने अपने बच्चों को गले लगाया। कार्यक्रम के अन्त में स्कूल के मुख्याध्यापक विनोद हसीजा ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम स्कूल में समय-समय पर आयोजित किए जाते हैं।

इंटर्नशिप गाइडलाइन पर कार्यशाला

जींद। राजकीय महाविद्यालय में वीरवार को प्राचार्य सत्यवान मलिक की अध्यक्षता में इंटर्नशिप सेल द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों के लिए इंटर्नशिप गाइडलाइन पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। सत्यवान मलिक ने कहा कि इंटर्नशिप को पाठ्यक्रम का अभिन्न अंग बनाना कॉलेज के लिए एक नई पहल है लेकिन हमे इस अवसर के लिए खुले मन और दूरदर्शिता के साथ तैयार हैं। उन्होंने कहा कि इंटर्नशिप से छात्रों को न केवल व्यावहारिक ज्ञान मिलेगाए बल्कि वे स्किल्ड भी बनेंगेए जिससे उन्हें स्नातक उपरांत बेहतर रोजगार के अवसर मिलेंगे। इंटर्नशिप प्रोग्राम की जानकारी देते हुए प्रो. सोनू सिहाग ने बताया कि छुट्टियों के दौरान चार से छह सप्ताह की अवधि का यह कार्यक्रम इंटर्नशिप सेल के प्रभारी प्राचार्य के नेतृत्व में संचालित होगा। कक्षा इंचार्ज व शिक्षक विभिन्न कक्षाओं के इंटर्नशिप की निगरानी करेंगे।

जींद। सेमिनार को जानकारी देते प्राचार्य सत्यवान मलिक।

कैथल। ग्रामीणों को जागरूक करते पुलिस कर्मचारी।

नशे के खिलाफ किया जागरूक

कैथल। नशे से आजादी मुहिम के तहत समाज को नशा मुक्त करने के उद्देश्य से एसपी राजेश कालिया के निर्देशानुसार चलाई जा रही मुहिम तहत पुलिस टीम द्वारा आमजन को नशे के दुष्परिणामों बारे लगातार जागरूक किया जा रहा है। इसी के तहत इंस्पेक्टर रामलाल, एएसआई ओमप्रकाश, एचसी सुनील कुमार तथा होमगार्ड शमशेर सिंह की टीम द्वारा कलायत में विभिन्न स्थानों पर आमजन को नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इस दौरान पुलिस टीम द्वारा जानकारी दी गई कि नशा एक सामाजिक बुराई है। इसका सेवन किसी भी प्रकार से हितकारी नहीं है। नशा शरीर में रोगों तथा आपराधिक गतिविधियों की जड़ है। नशा का सेवन करने वाला व्यक्ति समाज में अपना मान सम्मान खो देता है। नशे से आर्थिक नुकसान के साथ साथ शारीरिक नुकसान भी होता है।

जियो टैग की बजाय ऑफलाइन हाजिरी लगाने की मांग

जींद। नए बस अड्डे के पास मनरेगा मजदूरों की राज्य स्तरीय कन्वेंशन मजदूर नेता रमेश चंद की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कन्वेंशन में अलग-अलग जिलों के मुख्य कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कन्वेंशन का संचालन विनोद कुमार ने किया। राज्य स्तरीय कन्वेंशन में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास करके मनरेगा मजदूरों को संगठित करने के लिए मनरेगा मेट एवं मजदूर यूनियन हरियाणा के नाम से राज्य स्तरीय यूनियन का गठन किया गया। यूनियन गठन करते हुए 17 सदस्यीय राज्य कमेटी का गठन करते हुए रमेशचंद्र को प्रधान, सुखबीर सिंह व सुरेश कुमार को उपप्रधान, विनोद कुमार को महासचिव, नरेश कुमार व प्रकाशचंद को सचिव तथा कुलदीप सिंह को कोषाध्यक्ष चुना गया। यूनियन गठन के अवसर पर मनरेगा मजदूरों की मांगों एवं समस्याओं पर विचार करते हुए 14 सूत्री मांग पत्र तैयार किया गया। जिसमें मांग की गई कि जियो टैग की बजाय ऑफलाइन हाजिरी लगाई जाए तथा सभी गांवों में तुरंत मनरेगा का काम शुरू किया जाए। मनरेगा में 200 दिन काम और 700 रुपये मजदूरी तय की जाए। अपने गांव से पांच किलोमीटर दूर जाने पर मिलने वाला 10 प्रतिशत किराया बहाल किया जाए।

जींद। बैठक में भाग लेते हुए मनरेगा मजदूर। *फोटो :हरिभूमि*

इंग्लिश ओलिंपियाड में अव्वल रहे छात्रों को सम्मानित करती प्रधानाचार्या व अन्य।

कोहिनूर अकादमी के छात्रों ने लहराया परचम

गुहला-चीका। सिल्वर जोन संस्था द्वारा आयोजित इंग्लिश ओलिंपियाड प्रतियोगिता में कोहिनूर अकादमी टटियाना के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते गोल्ड, सिल्वर व रजत पदक प्राप्त किए हैं। इस संबंध में जानकारी देते स्कूल की प्रधानाचार्या कंवलजीत कौर बाजवा ने बताया कि स्थित सिल्वर जोन संस्था द्वारा दिसंबर माह में इंग्लिश ओलिंपियाड अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें कोहिनूर एकेडमी के कक्षा तीसरी से आठवीं तक के 150 बच्चों ने भाग लिया था। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए बच्चों ने स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक प्राप्त कर एकेडमी का नाम रोशन किया है। स्कूल चेयरपर्सन डॉ. सुखविंदर कौर ने इस उपलब्धि पर बच्चों व अध्यापकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

पूर्व सैनिक नौ मार्च को शहीद स्मारक पर जुटेंगे

कैथल। पूर्व सैनिक वेलफेयर एसो की कार्यालय में एक मीटिंग हुई मीटिंग में फैसला लिया की मार्च मास की मासिक मीटिंग अबकी बार 9 मार्च प्रातः 9 बजे हनुमान वाटिका के स्थान पर हरियाणा शहीद स्मारक पार्क रोड कैथल होगा। मिटिंग में पूर्व सैनिकों की पेंशन की समस्याओं को मध्य नजर रखते हुए अंबाला वेटरनस समाधान केंद्र, सब एरिया हैडक्वाटर अम्बाला कैंट की टीम को भी बुलाने की योजना बनाई गई ।इसके साथ 24 फौजी न्यूज यू ट्यूब चैनल द्वारा अर्ध सैनिक बलों के लिए वीडियो डाली गई। उसमें अर्धसैनिक बलों की मांगों को लेकर बातें कही गई और उनको लेकर अर्ध सैनिक बल छह अप्रैल को जंतर मंतर पर प्रदर्शन करने के लिए इकट्ठे हो रहे हैं। इसके बारे एसोसिएशन प्रधान जगजीत फौजी ने बताया की अर्ध सैनिक बल अपनी मांगों को रख रहे हैं। उसे कहते हुए बहुत खुशी है कि जिला कैथल में अर्ध सैनिक बलों के शहीदों के स्मारक बनवा जा चुके है। जिला कैथल में तीन बीएसएफ और एक सीआरपीएफ के शहीद जवान है जिनमें से दो बीएसएफ एक सीआरपीएफ के बलिदानियो के शहीद स्मारक बन चुके हैं।

कैथल। बैठक में विचार विमर्श करते पूर्व सैनिक। *फोटो :हरिभूमि*

कैथल। अव्वल रही छात्राओं को सम्मानित करते पदाधिकारी।

व्याख्यान देने वाली छात्राओं को किया सम्मानित

कैथल। महिला सेल की ओर से, आरकेएसडी कॉलेज, कैथल की चार छात्राओं -पूजा एमकॉम (पी), खुशी और विधि एमए (इंग्लिश) (एफ), मुस्कान बीए (एफ) ने चौधरी ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय, ढंड-दादवाना (कैथल) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार /"महिला सशक्तिकरण: जीवन को बदलना, समुदाय को बदलना/" में शोध पत्र प्रस्तुत किए। आरकेएसडी कॉलेज की अंग्रेजी की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गीता गोयल वहां संसाधन व्यक्ति थीं और उन्होंने एक विस्तार व्याख्यान दिया। अंग्रेजी विभाग की डॉ. सुरुचि शर्मा ने भी वहां एक पत्र प्रस्तुत किया और छात्रों के साथ गईं। महिला सेल की संयोजिका श्रीमती प्रीति बंसल और सेल के सदस्य डॉ. सीमा गुप्ता, डॉ. शिल्पी, डॉ. विनय, डॉ. अलिशा, डॉ. रितु वालिया, डॉ. रितु मुत्रेजा और डॉ. भावना ने छात्रों के कॉलेज आगमन पर उन्हें बधाई दी। प्रिंसिपल डॉ. संजय गोयल ने छात्रों और महिला सेल के प्रयासों की सराहना की।

जुलाना। विधायक देवेंद्र अत्री को स्मृति चिन्ह भेंट करते ब्राह्मण सभा के सदस्य।

प्रदेश में बनेगी ट्रिपल इंजन की सरकार: विधायक

जुलाना। जुलाना कस्बे की परशुराम धर्मशाला में ब्राहमण समाज की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता ब्राह्मण सभा के प्रधान देवेंद्र शर्मा ने की। बैठक में जुलाना नगर पालिका भाजपा से चेयरमैन पद के प्रत्याशी डा. संजय जांगड़ा के समर्थन उचाना से विधायक देवेंद्र अत्री ने कहा कि निकाय चुनाव को लेकर पूरे प्रदेश में जनसभाएं चल रही हैं। हर जगह भाजपा के पक्ष में आवाज है। जनता ने मूड बना है लिया है कि दो मार्च को ट्रिप्पल इंजन की सरकार बनाई जाएगी। जुलाना में भी ट्रिप्पल इंजन की सरकार बनने पर तीन गुणा तेज गति से विकास कार्य करवाए जाएंगे। पेयजल, बिजली, सफाई और अन्य किसी भी प्रकार की समस्या नहीं रहने दी जाएगी। देवेंद्र अत्री ने कहा कि पिछली सरकारें जुलाना के साथ सौतेला व्यवहार करती थी लेकिन जब से भाजपा की सरकार बनी है जुलाना में रिकार्ड तोड़ विकास कार्य करवाए गए हैं।

छात्रों की भूख हड़ताल जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। लैब में आलू के परांठे बनाना सीखते विद्यार्थी। *फोटो :हरिभूमि*

चौधरी सिंह विश्वविद्यालय जींद के होटल मैनेजमेंट डिपार्टमेंट के द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने नई लैब में आलू के परांठे बनाने का ज्ञान प्राप्त किया। डा. प्रवीण शर्मा ने पहले तो उन्हें अच्छे से परांठे बनाने की शिक्षा दी। इसके बाद विद्यार्थियों ने अपने हाथों से परांठे बनाए। परांठे बनाने के साथ-साथ विद्यार्थियों ने इन्हें व्यावसायिक तरीके से होटल में परोसने का ज्ञान भी प्राप्त किया। लगातार दूसरे दिन नई लैब में काम करने से विद्यार्थियों में उत्साह का माहौल रहा। क्लास लगाने वाले विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन का धन्यवाद किया कि उन्होंने उन्हें व्यावसायिक स्तर की किचन लैब बनवाने का कार्य किया है। क्लास लगाने वाले विद्यार्थियों ने कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि आगे भी हमें जिस प्रकार की सुविधा चाहिए होगीए विश्वविद्यालय प्रशासन हमें वह प्राप्त करवाएगा। कुलसचिव प्रोफेसर लवलीन मोहन ने कहा कि जो विद्यार्थी धरने पर बैठे हुए हैंए वह भी बाकी विद्यार्थियों की तरह अपनी कक्षाओं में उपस्थित हों। यदि उन्हें किसी भी प्रकार की कोई कमी लगती है तो उसे तुरंत पूरा किया जाएगा। विद्यार्थियों को शिक्षा में हुई किसी भी प्रकार के क्षति को पूरा करने के लिए अतिरिक्त कक्षाएं लगाने के निर्देश दे दिए गए हैं। सोमवार से नया टाइम टेबल लगा दिया जाएगा।

जींद। कृषि यंत्रों की जानकारी हासिल करते स्वयंसेवक। *फोटो :हरिभूमि*

स्वयंसेवकों ने किया कृषि विज्ञान केंद्र पिंडारा का भ्रमण

जींद। राजकीय महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना यूनिट्स द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का वीरवार को पांचवां दिन रहा। प्रतिदिन की भांति सुबह के सत्र की शुरुआत योगाभ्यास से की गई। योगाचार्य बिजेंद्र ने स्वयंसेवकों को योगाभ्यास करवाया। प्रथम सत्र में एनएसएस स्वयंसेवकों ने कृषि विज्ञान केंद्र पिंडारा का भ्रमण किया। जिसमें कोऑर्डिनेटर डा. रामकरण ने स्वयंसेवकों को बताया कि कृषि विज्ञान केंद्र चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार की एक शाखा है। कृषि विशेषज्ञ डा. धीरज पंघाल ने विद्यार्थियों को केचुओं द्वारा तैयार की जाने वाली खाद का अवलोकन कराया और इसको तैयार करने की विधि समझाई। डा. रवि ने विद्यार्थियों को सीडर और सुपर सीडर का कृषि में किया जाने वाला उपयोग, लागत व उनसे होने वाले लाभ के बारे में अवगत कराया। दिन के दूसरे सत्र में नेहरू युवा केंद्र से जिला युवा अधिकारी हरप्रीत ने शिरकत की और उन्होंने विद्यार्थियों को केंद्र सरकार द्वारा विकसित माय भारत पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन और एक्सपीरियंशियल लर्निंग प्रोग्राम के बारे में विस्तार से बताया।

राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय बेलरखा ने जिले में लहराया परचम

कहानी लेखन में छात्रा मुस्कान ने मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

नरवाना। प्रतियोगिता में विजेता रहे बच्चे। *फोटो :हरिभूमि*

हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद् पंचकूला के तत्वाधान में जींद जिले की पठन वर्धन मास प्रतियोगिताओं का आयोजन 25 फरवरी को राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जींद में संपन्न हुआ। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयए बेलरखा ने शानदार प्रदर्शन किया स प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्रों ने कई श्रेणियों में प्रथम स्थान हासिल कर अपनी उत्कृष्टता साबित की। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र कहानी लेखन में कक्षा छठी की छात्रा मुस्कान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया सवाद विवाद में कक्षा छठी की छात्रा अवनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया स्पेल बी रू. कक्षा छठी की छात्रा रुचिका ने द्वितीय स्थान प्राप्त कियास्पेल बी रू. कक्षा सातवीं की छात्रा पिंकी ने तृतीय स्थान प्राप्त कियास्पेल बी.रू प्रतियोगिता में कक्षा आठवीं की छात्रा प्रिंसा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया वर्तनी रू. आठवीं कक्षा की छात्रा लक्ष्मी ने द्वितीय स्थान प्राप्त कियाकहानी लेखन .रू कक्षा 9 वी के विद्यार्थी केशव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया कविता लेखनरू. कक्षा 11वीं की छात्रा नीतू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया

विद्यालय प्रधानाचार्य बलजीत गोयत ने इस उपलब्धि पर छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को बधाई दी और आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं। विद्यालय समिति के प्रधान सुखबीर शर्मा ने कहा कि यह विद्यालय के लिए गर्व का क्षण है। प्रधानाचार्य बलजीत गोयत के निर्देशन में ग्रामीण क्षेत्र का यह विद्यालय उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। जिससे न केवल गांव बल्कि पूरे जींद जिले को गौरव का अनुभव होता है ।

जींद। जागरूकता रैली निकालते छात्राएं। *फोटो :हरिभूमि*

स्वच्छता की जानकारी दी

जींद। हिंदू कन्या महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग व शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा हैबतपुर गांव में घर-घर जाकर व्यक्तिगत सफाई के बारे में अभियान का आयोजन किया गया। अध्यक्षता हिंदू कन्या कालेज की प्राचार्या डा. पूनम मोर ने की और कार्यक्रम का संचालन समाजशास्त्र विभाग की प्राध्यापिका ज्योति व शारीरिक शिक्षा विभाग की प्राध्यापिका मीना द्वारा किया गया।

सूचना

मैं, नरेश कुमार पुत्र श्री ईन्द्र सिंह निवासी झाझ गेट, प्रेमनगर, जींद, तहसील व जिला जींद बयान करता हूं कि मेरा पुत्र विकास मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

खबर संक्षेप

नाटक प्रस्तुत करके दिया स्वच्छता का संदेश

सफीदों। नगर के सरला मेमोरियल राजकीय कन्या महाविद्यालय की एनएसएस इकाई के तत्वावधान में उपमंडल के गांव सिंघपुरा में चल रहे सप्त दिवसीय एनएसएस कैंप के छठे दिन की प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान के तहत गांव में जागरूकता रैली निकाली गई। जागरूकता रैली की अगुवाई एनएसएस अधिकारी सीमा गुप्ता ने की। रैली के दौरान स्वयंसेविकाओं ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करके ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। दोपहर के सत्र में एसिस्टेंट प्रोफेसर प्रदीप मान ने साइबर सिक्योरिटी पर बोलते हुए कहा कि साइबर सुरक्षा दैनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

राजकीय कॉलेज सफीदों में सेमिनार हुआ

जींद। राजकीय महाविद्यालय सफीदों में भूगोल विभाग द्वारा प्राचार्या तनाशा हुड्डा की अध्यक्षता में विभागाध्यक्ष डा. हरिओम की देखरेख में सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार का विषय भू सूचना विज्ञान तकनीक और आधुनिक युग में इसका महत्व रहा। सेमिनार के मुख्य वक्ता सीआरएसयू के सहायक प्रो. डा. सतेन्द्र मलिक रहे। सेमिनार में 39 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस सेमिनार में रिमोट सेंसिंग, रडार, ड्रोन टेक्नॉलजी, क्यूजीआईएस, आर्कजीआईएस, आर्क प्रो, पाइथन, कंप्यूटर तथा आईटी बेस्ड तकनीक आदि के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि रिमोट सेंसिंग तकनीक से आंकड़े इकट्ठा कैसे करें।

जनसभा में बोले सीएम- बजट के बाद पूरा किया जाएगा महिलाओं को 2100 रुपये देने का वादा

कांग्रेस को दिल्ली की तर्ज पर निकाय चुनाव में जीरो पर आउट करेगी हरियाणा की जनता: नायब सैनी

सीएम ने सीवन, पूंडरी और कलायत में किया जन आशीर्वाद सभाओं को संबोधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

कैथल। सीवन में जनसभा को संबोधित करते मुख्यमंत्री नायब सैनी।

कैथल। मुख्यमंत्री नायब सैनी हाथ उठाकर लोगों का अभिवादन स्वीकारते हुए।

कैथल। मुख्यमंत्री नायब सैनी का स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता।

नगर निकाय चुनाव प्रक्रिया के तहत अब प्रचार का महज एक दिन ही बचा है। ऐसे में प्रत्याशियों की ओर से प्रचार को तेज किया गया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीरवार को सीवन, कलायत और पूंडरी में जन आशीर्वाद सभा को संबोधित करते हुए जहां भाजपा प्रत्याशियों को जीताने की अपील की तो वहीं उन्होंने कांग्रेस पर जुबानी हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा ने प्रदेश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बाद दिल्ली के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को जीरो पर आउट किया है। अब फिर से कांग्रेस को जीरो पर आउट करेंगे। कहा कि विकास को नॉन स्टॉप रफ्तार देने के लिए प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार बनाएं। इसके बाद सरकार तीन गुणा ताकत से काम करेगी। सीएम ने भाजपा से बगावत कर चुनाव लड़ रहे नेताओं पर कहा कि पार्टी छोड़कर जाने वाले की एंट्री बैन करने की बात कही। कहा कि जो लोग सोचते हैं कि वे भाजपा को हराकर मुख्यमंत्री के पास शरण लेने आ जाएंगे। उनकी एंट्री भाजपा में बंद है। सीएम का प्रत्याशी केवल कमल का फूल है। सीएम सैनी ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सदस्य रणदीप सुरजेवाला पर बिना नाम लिए कटाक्ष कर उन्हें ट्विट मास्टर बताया। नाम लिए कहा कि जिले के एक कांग्रेस नेता धरातल पर देखे बिना ही ट्विट करते हैं। ऐसे में कांग्रेस केवल ट्विट में ही उलझकर रह गई है। सीएम ने कहा कि सरकार के 100 दिन पूरे हो चुके हैं। 100 दिन के कामों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से चर्चा की है। उन्हें प्रदेश में चल रहे विकास कार्य की गति पर भी बताया है।

ट्रिपल इंजन की सरकार बनी तो विकास की

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि भाजपा सरकार ने जो भी वायदे किए हैं उन्हें पुरा किया है। यह भाजपा की गारंटी है जो भी वायदे चुनाव में किए गए थे उन्हें पूरा किया जाएगा। महिलाओं को 2100 रुपये देने का जो वायदा भाजपा ने किया था उसे बजट में पूरा किया जाएगा। मेरी सरकार का पहला बजट 7 मार्च को आरंभ होगा। बजट के बाद प्रावधान करके हरियाणा की महिलाओं के लिए यह योजना लागू कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार बनने जा रही है। भाजपा प्रत्याशी को जितवाने का काम आप करें सरकार तीन गुना स्पीड से काम करेगी। उन्होंने पूंडरी शैली मुंजाल, पूंडरी से ममता सैनी तथा कलायत से मैनपाल राणा को जीताने का आह्वान किया। रैली को सांसद नवीन जिन्दल, पूर्व विधायक कुलवंत बाजीगर व भाजपा प्रत्याशी शैली मुंजाल ने भी संबोधित किया। मंच संचालन पूर्व सरपंच सतीश मुंजाल ने किया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष मनीष कठवाड़, पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक गुज्जर, कैलाश भगत, पूर्व विधायक पवन सैनी, ज्योति सैनी, बलविन्द्र जांगड़ा, संजय कंसल, संजय सैनी, बाल कृष्ण मोरे, के.के आनंद, कुमारी संगीता, अनीता नरेश मुंजाल व अन्य मौजूद थे।

पूंडरी। मुख्यमंत्री के साथ बातचीत करता चिंतित दुकानदार तरूण गिरधर का परिवार। फोटो :हरिभूमि

पूंडरी में गोलीबारी की घटना पर दुकानदार ने परिवार सहित मुख्यमंत्री से की मुलाकात

पूंडरी। बुधवार रात को पूंडरी में हुई गोलीबारी की घटना को लेकर आज चिंतित दुकानदार तरूण गिरधर ने अपने परिवार सहित मुख्यमंत्री नायब सैनी से मुलाकात की। घटनाक्रम की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री ने तुरंत कड़ी कार्रवाई का आश्वासन देते हुए कहा कि प्रशासन मामले की गहन जांच करेगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाएगा। इस मौके पर सांसद नवीन जिंदल व विधायक सतपाल जांबा भी उपस्थित रहे और दुकानदारों को भरोसा दिलाया कि प्रशासन इस घटना को गंभीरता से ले रहा है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था में सुधार के साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होने दी जाएगी। इस मौके पर व्यापार मंडल विकास समिति के प्रधान हरीशलाल ने दुकानदारों के साथ मिलकर अपनी चिंताएं मुख्यमंत्री के साथ सांझा कीं और कहा कि उनके व्यवसाय की सुरक्षा के लिए प्रशासन से तत्काल समाधान की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने इस बात पर जोर दिया कि घटना की जांच में किसी भी प्रकार की ढील नहीं बरती जाएगी।

पूंडरी। पूंडरी में सतबीर भाणा के साथ मुख्यमंत्री। फोटो :हरिभूमि

हजारों समर्थकों के साथ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की मौजूदगी में शामिल हुए सतबीर भाणा

पूंडरी। पूंडरी विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ चुके सतबीर भाणा ने अपने हजारों समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सदस्यता ग्रहण कर ली। गुरुवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पूंडरी में नगरपालिका चेयरपर्सन ममता सैनी के समर्थन में जनसभा को संबोधित करने पहुंचे थे। इस अवसर पर जनसभा के बाद मुख्यमंत्री सतबीर भाणा के कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने भाणा व उनके समर्थकों को पार्टी का पट्टा पहनाकर भाजपा में स्वागत किया।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस अवसर पर कहा कि सतबीर भाणा के भाजपा में शामिल होने से संगठन को और मजबूती मिलेगी तथा इससे भाजपा प्रत्याशी ममता सैनी की जीत भी सुनिश्चित हो गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पहले ही चुनाव परिणाम के बाद कोमा में चली गई थी, थोड़ी बहुत अब आंख खुली थी, जब पता चलेगा कि सतबीर भाणा भी भाजपा में चले गए, अब फिर बेहोश हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि सतबीर भाणा और उनके समर्थकों को भाजपा में पूरा मान-सम्मान दिया जाएगा तथा उनकी सभी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा।

महिलाओं के लिए रिजर्व बैंक द्वारा किया गया वित्तीय साक्षरता सप्ताह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान कैथल में 24 फरवरी से 28 फरवरी तक महिलाओं के लिए वित्तीय साक्षरता सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को वित्तीय जागरूकता प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। इस अभियान के तहत वीरवार को एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया, इसमें 150 महिलाओं और छात्राओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एलडीओ गुरिंदर सिंह, मुख्य एलडीएम एसके नंदा विशेष रूप से मौजूद रहे।

कैथल। वित्तीय साक्षरता के दौरान पीएनबी के अधिकारी। फोटो :हरिभूमि

इसी क्रम में इंदिरा गांधी महिला महाविद्यालय में भी कॉलेज की छात्राओं के लिए विशेष वित्तीय साक्षरता सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र का उद्देश्य छात्राओं को बैंकिंग सेवाओं, वित्तीय प्रबंधन, बचत योजनाओं, पेंशन योजनाओं, बीमा और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना था। कार्यक्रम के दौरान वित्तीय क्विज का भी आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं और छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम में वित्तीय विशेषज्ञों ने लाभ उठाने का आह्वान किया।

सफीदो। मिनी सचिवालय पहुंची महिला व उसका परिवार। फोटो :हरिभूमि

न्याय के लिए विधवा ने डीएसपी से लगाई गुहार

सफीदों। उपमंडल के गांव मलार निवासी एक विधवा महिला ने न्याय के लिए डीएसपी सफीदों से न्याय की गुहार लगाई है। महिला सरला अपने परिजनों के साथ मिनी सचिवालय पहुंची और डीएसपी को एक शिकायत सौंपी। शिकायत में महिला सरला ने कहा कि उसका एक प्लाट सफीदों की तारा बस्ती में है। इस प्लाट की रजिस्ट्री व इंतकाल उसके नाम है और वह प्लाट पर काबिज है। अब इस प्लॉट पर कुछ दबंग किस्म के लोगों ने ईंट डालकर कब्जा करने की कोशिश की। जब उसके लड़कों ने उन्हे जमीन पर ईंटें डालने से मना किया तो उन्हे से मारने की धमकी दी गई। सरला ने कहा कि वह एक विधवा औरत है और अपने बच्चों के साथ किसी तरह से गुजरबसर कर रही है लेकिन इन दबंग किस्म के लोगों द्वारा उसके प्लाट पर कब्जा करने के साथ-साथ उसे व उसके परिवार को परेशान किया जा रहा है। इन लोगों से उन्हे जान का खतरा बना हुआ है। महिला ने डीएसपी से कार्रवाई की मांग की है।

अंडरपास के नजदीक घरों में आई दरारें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

पांच दिन पहले जेडी 7 पर बन रहे अंडरपास की मिट्टी धंस गई थी। इसके कारण चार मकानों का रास्ता पूरी तरह से बंद हो गया था। इसके अलावा सात मकानों में दरारें भी आई थी। इन मकानों में पशु पांच दिन बीतने के बाद भी अंदर ही कैद हैं। इनको निकालने के लिए प्रशासन कोई व्यवस्था नहीं कर पा रहा है। यहां पर डीसी ने घटना के दो दिन बाद दौरा कर लोगों को परेशानियों से निजात दिलवाने का आश्वासन दिया था लेकिन अब तक लोगों को आवागमन का रास्ता तो मिल गया लेकिन पशुओं को बाहर निकालने की व्यवस्था नहीं बन सकी। आसमान में छाए बादलों के डर व मकानों के सामने से मिट्टी खिसकने के डर से दोनों तरफ की गई खुदाई पर पॉलीथिन बिछाकर सुरक्षित किया गया है। इसके बावजूद अंडर पास के एक तरफ तो अब तक न मिट्टी लगी है और न ही कट्टे लगाए गए। इस कारण यहां पर लगभग दस मकानों को बरसात में मिट्टी बहने का ज्यादा डर बना हुआ है। जींद विकास संगठन के अध्यक्ष डा. राजकुमार गोयल ने प्रशासन से मांग की है कि भिवानी रोड अंडरपास पर कई पशु अभी भी घरों में कैद है। इन मवेशियों को जल्द से जल्द घरों से बाहर निकालने की व्यवस्था की जाए। इसके साथ-साथ कई घरों में ज्यादा दरारें आई हुई हैं। कोई दुर्घटना न घट जाए, इससे पहले इन घरों का मुआयना किया जाए। इसके साथ-साथ प्रशासन द्वारा जो कमेटी एडीसी की अध्यक्षता में बनाई गई है, उस कमेटी में यहां के निवासियों को भी शामिल किया जाए। इसके साथ साथ जिन घरों में दरारें आई है उन घरों का सर्वे करवा कर उन्हे मुआवजा भी जल्द से जल्द दिया जाए।

जींद। भिवानी रोड अंडरपास पर घरों में कैद पशु तथा अंडरपास पर घरों में आई दरारें। फोटो :हरिभूमि

शक्तिनगर प्रभात फेरी में श्री कृष्ण भजनों पर नाचे श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुहला-चीका

श्री श्री राधा माधव सकिंर्तण मंडल गौशाला चीका द्वारा निकाली जा रही प्रभात फेरी के पांचवें दिन की सांझी प्रभातफेरी शक्तिनगर में पहुंची। जब भगवान श्री कृष्ण की पालकी श्री गोपाल गौशाला प्रांगण से सुबह 4 बजे चलकर शक्ति नगर में पहुंची तो वहां श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर व आरती उतारकर पालकी का स्वागत किया गया। प्रभात फेरी की शुरूआत गुरु वन्दना से की गई। रविन्द्र बिदल, कमल सिंगला, नंदलाल गोयल ने अपने भजनों के द्वारा उपस्थित भक्तों को झूम झूम कर नाचने पर मजबूर कर दिया। रविंद्र उर्फ पाली गर्ग ने गाया जब से सांवरे ने पकड़ा मेरा हाथ हो गई मेरी बल्ले बल्ले होली का भाव लेते हुए ब्रज की होली का आभास करवाया, जिससे सभी उनके भजनों पर नृत्य करने लगे। गायक कमल सिंगला द्वारा भगवान श्री खाटू श्याम जी के चरणों में लोगों की मनोकामना पूरी करने के लिए हाजिरी लगवाई। इस अवसर पर ईश्वर जिंदल, दीपक कुमार, दिनेश कुमार, संजय कुमार, अनील कुमार जयप्रकाश, शिवकुमार संदीप सिंह भी मौजूद रहे।

गुहला-चीका। श्री श्री राधा माधव संकीर्तन मंडल गौशाला चीका द्वारा निकाली जा रही प्रभात फेरी

भाजपा बीसी ए व बीसी बी को सिर्फ वोट के लिए कर रही इस्तेमाल : आदित्य सुरजेवाला

- कहा : पिछड़ा वर्ग के साथियों को न्याय दिलवाने के लिए हम सरकार से लड़ेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

आदित्य सुरजेवाला

कैथल से कांग्रेस विधायक आदित्य सुरजेवाला ने हरियाणा की भाजपा सरकार पर नगरपालिकाओं, नगर परिषद व पंचायतों में बीसीए व बीसी बी के आरक्षण खत्म करने का आरोप लगाया। कैथल से एक प्रेस बयान जारी करते हुए विधायक आदित्य सुरजेवाला ने भाजपा सरकार पर पिछड़ा वर्ग विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार बीसी ए व बीसी बी को सिर्फ वोट के लिए तो इस्तेमाल कर रही है लेकिन उन्हें आरक्षण देने को लेकर सिर्फ आधा ही गिन रही है। आदित्य सुरजेवाला ने कहा कि भाजपा सरकार बीसीए वर्ग व बीसीबी वर्ग को सिर्फ वोट के लिए तो इस्तेमाल करती है लेकिन उनका आरक्षण छीनकर उन पर आए दिन प्रहार कर रही है। उन्होंने कहा कि नगर निगम, नगर परिषद, नगर पालिका व पंचायत समिति में भी बीसी बी व बीसीए की जनसंख्या को कुल जनसंख्या के अनुपात में आधा गिना जा रहा है। भाजपा द्वारा यह पिछड़ा वर्ग के साथ अन्याय है।

आदित्य ने कहा कि हरियाणा की पंचायती राज संस्थाओं और स्थानीय निकायों में, पिछड़ा वर्ग को आरक्षण देने का वादा भी भाजपा का एक और झांसा साबित हो रहा है। 18 नवंबर 2024 को हरियाणा विधानसभा ने विधेयक पारित करके पिछड़ा वर्ग-ए को 8% और पिछड़ा वर्ग-बी को 5% आरक्षण तय किया था। लेकिन हरियाणा के लोगों को धोखा देने की आदत बना चुकी भाजपा सरकार ने अब पिछड़े वर्ग के लिए तय आरक्षण को नियमों और शर्तों के दांव पेंच में उलझाने का खेल खेल रही है।

प्रवीण मित्तल स्मृति साहित्यिक परीक्षा का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नरवाना

सनातन धर्म महिला महाविद्यालय के सभागार में 21 फरवरी 2025 को मानव मित्र मंडल एवं हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में प्रवीण मित्तल स्मृति साहित्यिक परीक्षा का आयोजन किया गया। इस साहित्यिक परीक्षा में लगभग 144 छात्राओं ने भाग लिया। यह परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रश्नों पर आधारित थी। 27 फरवरी 2025 को इस साहित्यिक परीक्षा का परिणाम मानव मित्र मंडल के संरक्षक दिनेश गोयल द्वारा घोषित किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता कालेज प्राचार्या डॉ अंजना लोहान ने की। मंच संचालन डॉ शालू गर्ग ने किया। डॉ अनीता छाबड़ा ने मानव मित्र मंडल शाखा के सभी सदस्यों का स्वागत किया व संस्था की उपलब्धियां से छात्राओं को अवगत कराया। संस्था के सदस्य डॉ संजय भारद्वाज ने छात्रों का मार्गदर्शन किया।स्वर्गीय प्रवीण मित्तल स्मृति साहित्यिक परीक्षा पर अचल मितल ने प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली बी ए फस्ट ईयर की छात्रा प्रिया को 5100 रुपए, द्वितीय स्थान बी ए फस्ट ईयर की छात्रा बबली को 3100ए तृतीय स्थान बीए सेकंड ईयर की छात्रा नेहा को 2100 व बी ए फाइनल ईयर की छात्रा मन्नू को सांत्वना पुरस्कार 1100 की नगद राशि देकर सम्मानित किया।

नरवाना। मंच पर मौजूद गणमान्य।

लोगों द्वारा की गई शिकायत के आधर पर हुई कार्रवाई

नागरिक अस्पताल का आधार सेंटर हुआ ब्लैक लिस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में खोला गया आधार सेंटर ब्लैक लिस्ट हो गया है। जिसके चलते आमजन की परेशानियां बढ़ गई हैं। हर दिन आधार सेंटर पर सैंकडों लोग अपने आधार से संबंधित कार्यों के लिए पहुंचते थे लेकिन अब आधार सेंटर बंद होने से उन्हें अन्य जगहों पर भेजा जा रहा है। जिससे आमजन की परेशानी बढ़ गई है। क्योंकि नागरिक अस्पताल का आधार कार्ड शहर के मध्य स्थित है और लोगों को भी यहां आने में सुविधा होती थी। प्रतिदिन अस्पताल में ही सौ से 150 लोग पहुंचते हैं आधार अपडेट के लिए नागरिक अस्पताल स्थित आधार कार्ड सेंटर की बात की जाए तो यहां प्रतिदिन 100 से 150 के बीच लोग अपने आधार कार्ड में अपडेशन के लिए पहुंच जाते थे। एक आधार को अपडेट करने में पांच से सात मिनट का समय लगता है। कभी सर्वर की प्रॉब्लम तो कभी उंगलियों या अंगूठे का मिलान न होने तथा कभी आंखों का मिलान करने पर ही और भी ज्यादा समय लग जाता था लेकिन लोगों को यह राहत थी कि आधार कार्ड सेंटर शहर के मध्य होने के चलते यहां आवागमन में कोई परेशानी नही थी। आधार की अनिवार्यता हर कार्य में जरूरी हो चुकी है। ऐसे में लोग सुबह होते ही नागरिक अस्पताल स्थित आधार कार्ड केंद्र पर पहुंच जाते थे।

जींद। नागरिक अस्पताल स्थित आधार कार्ड केंद्र, जिसे ब्लैकलिस्ट किया गया है।

बढ़ी लोगों की परेशानी

कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) पर आधार कार्ड को लेकर कोई कार्य नही किया जाता है। युनीक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) द्वारा दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं कि आधार से संबंधित कार्य आधार कार्ड सेंटर पर ही होगा। ऐसे में जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में आधार कार्ड सेंटर खोला गया था ताकि आमजन को राहत मिले। आधार कार्ड सेंटर को लेकर लोगों की कई तरह की शिकायतें भी थी, जोकि मुख्यालय पहुंच रही थी। जिस पर मुख्यालय द्वारा इस आधार कार्ड सेंटर को ब्लैक लिस्ट कर दिया गया और इस आधार कार्ड सेंटर बंद कर दिया।

विद्यार्थियों के लिए फाइनेंशियल लिटरेसी फॉर यूथ नामक संगोष्ठी आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

आरकेएसडी महाविद्यालय कैथल के सायंकालीन सत्र के सभागार में वाणिज्य विभाग एवं कैरियर काउंसलिंग, गाइडेंस एंड प्लेसमेंट सेल के तत्वाधान में विद्यार्थियों के लिए फाइनेंशियल लिटरेसी फॉर यूथ नामक एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

जिसमें एनआइएसएम के प्रतिनिधि रामफल पूनिया, बबीता पूनिया एवं नरेंद्र पूनिया द्वारा विद्यार्थियों को वित्तीय साक्षरता एवं निवेश के बारे में गहराई से जागरूक किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में सांयकालीन सत्र के वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष, सेमिनार एवं कैरियर काउंसलिंग, गाइडेंस एंड प्लेसमेंट सेल के अध्यक्ष एवं संयोजक डॉ मनोज बंसल ने विद्यार्थियों को औपचारिक रूप से वित्तीय साक्षरता, बचत एवं निवेश के लाभ एवं जरूरत के बारे में बताया। सेमिनार के रिसोर्स पर्सन रामफल पूनिया ने विद्यार्थियों को बचत एवं निवेश से संबंधित तकनीकी बातों जैसे प्राइमरी बाजार, सेकेंडरी बाजार, म्युचुअल फंड के निवेश के प्रति सावधानियां, कमाई में वृद्धि, तकनीकी सलाह के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने ठकरट के वित्तीय प्रमाण पत्र को हासिल कर अपने भविष्य को एक निवेशक एवं डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में सुरक्षित करने के बारे में विद्यार्थियों को अवगत करवाया।

कैथल। संगोष्ठी में अधिकारियों को सम्मानित करते प्राचार्य व अन्य।